OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Project Report B.A 1 Year Hindi

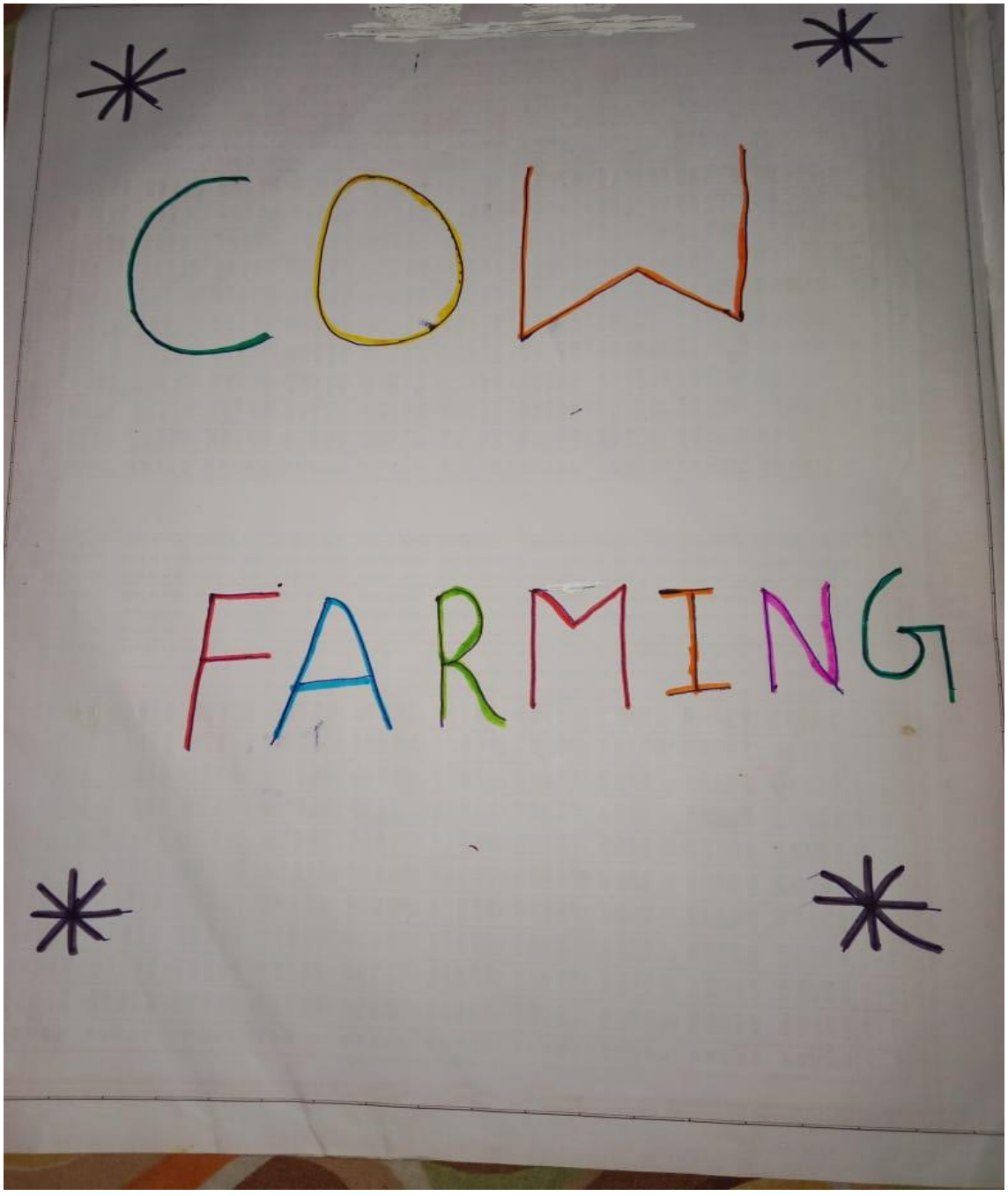

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

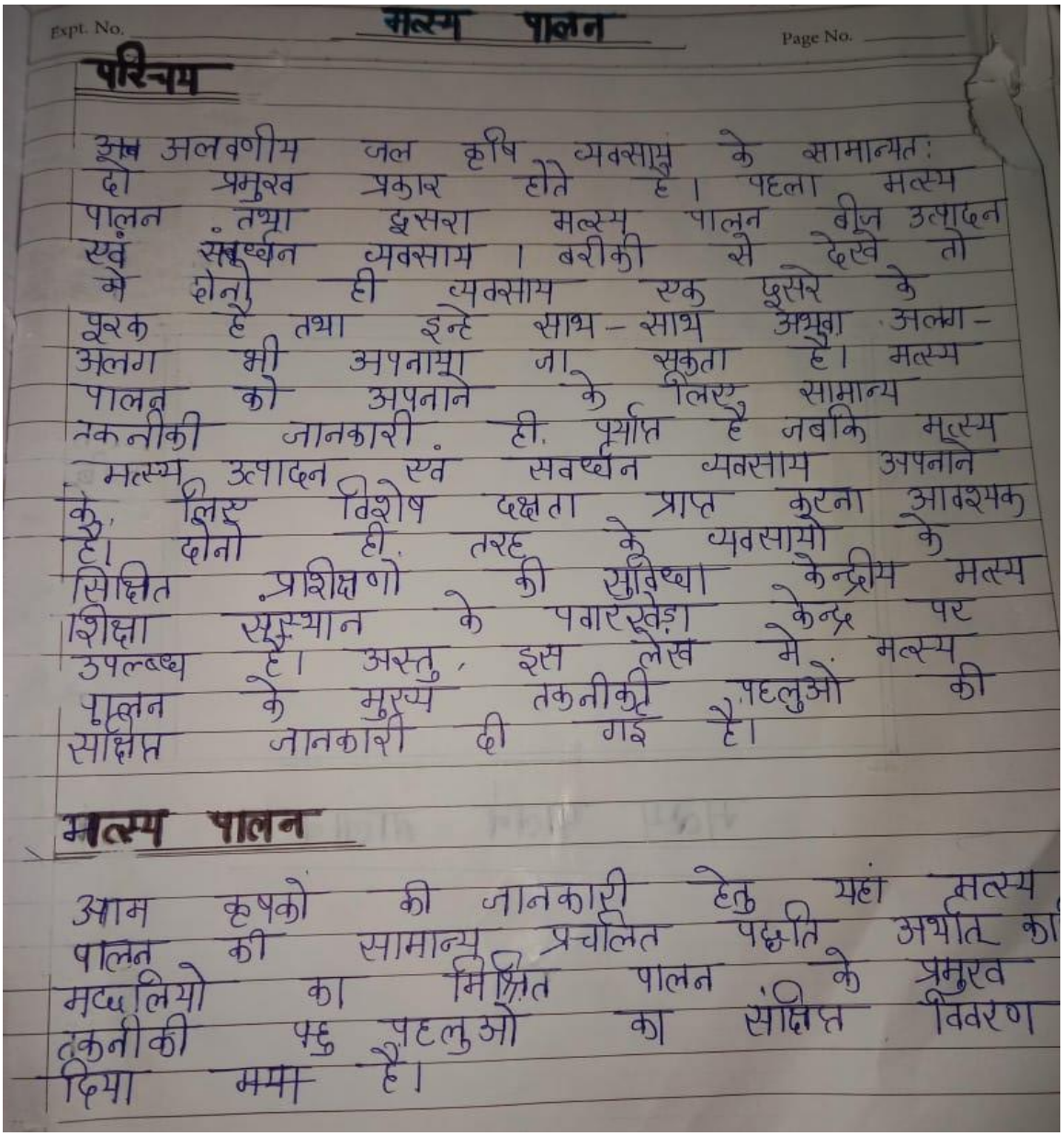

Expt. No. Page No.

मत्स्य पालन

परिचय

अब अलवणीय जल कृषि व्यवसाय के सामान्यत: दो प्रमुख प्रकार होते है। पहला मत्स्य पालन तथा दूसरा मत्स्य पालन बीज उत्पादन एवं संवर्धन व्यवसाय। बरीकी से देखे तो मे दोनो ही व्यवसाय एक दूसरे के पूरक है तथा इन्हे साथ-साथ अथवा अलग-अलग भी अपनाया जा सकता है। मत्स्य पालन को अपनाने के लिए सामान्य तकनीकी जानकारी ही पर्याप्त है जबकि मत्स्य मत्स्य उत्पादन एवं संवर्धन व्यवसाय अपनाने के लिए विशेष दक्षता प्राप्त करना आवश्यक है। दोनो ही तरह के व्यवसायो के सिंक्षित प्रशिक्षणो की सुविधा केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान के पवारखेड़ा केन्द्र पर उपलब्ध है। अस्तु, इस लेख मे मत्स्य पालन के मुख्य तकनीकी पहलुओ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

मत्स्य पालन

आम कृषको की जानकारी हेतु यहां मत्स्य पालन की सामान्य प्रचलित पद्धति अर्थात का मछलियो का मिश्रित पालन के प्रमुख तकनीकी पहु पहलुओ का संक्षिप्त विवरण दिया गया है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

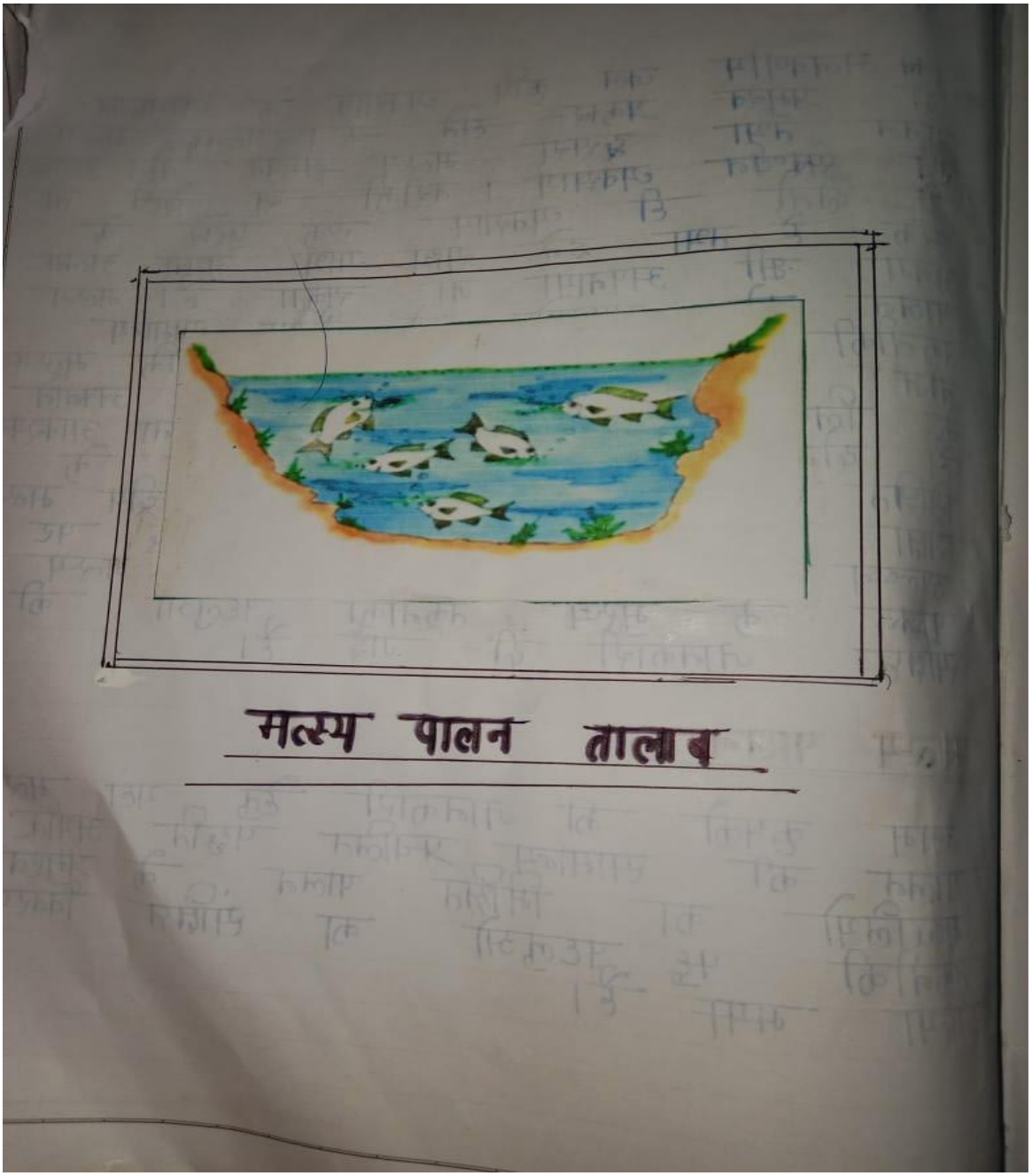

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

Expt. No. Page No.

मत्स्य पालन तालाब

मत्स्य पालन हेतु यो तो किसी भी उपलब्ध पोखर या तालाब जो 6-8 फुट गहरा हो तथा जिसमे कम से कम 6 माह तक पानी रहता हो, का उपयोग किया जा सकता है। परन्तु उचित आय के लिए कम से कम एक हैक्टेयर क्षेत्रफल का तालाब ज्यादा फायदेमंद होगा। इसकी लम्बाई 200-500 मीटर तथा चौड़ाई 20-50 मीटर और गहराई 2 मीटर होनी चाहिए। वैसे किसी भी आकार-प्रकार के तालाब मे मछली पालन किया जा सकता है परन्तु प्रबन्धन सुविधा की दृष्टि से कम चौड़ी आयताकार तालाब ज्यादा उपयुक्त होते है।

तालाब की तैयारी

नये एवं पुराने (बहुवर्षीय) तालाब की तैयारी मे मुख्य भिन्नता यह है कि पुराने तालाब मे से परभक्षी एवं अवाछनीय मछलियो का उन्मूलन एवं जलीय खरपतवार नियन्त्रण आवश्यक है। जबकि नये अथवा वर्ष मे पूर्णतः सूख जाने वाले तालाबो मे उपरोक्त कार्यवाई की आवश्यकता नही होती है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

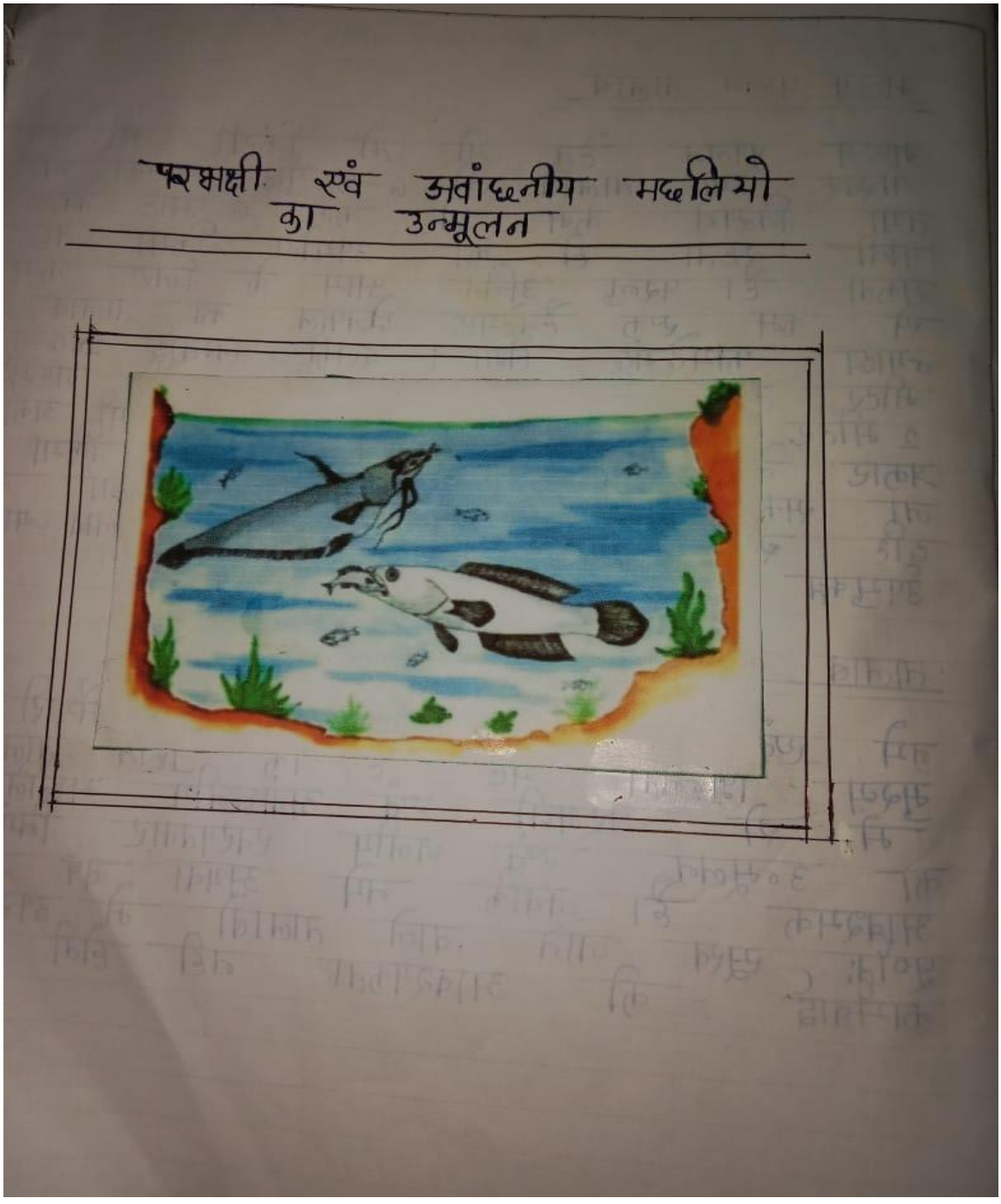

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

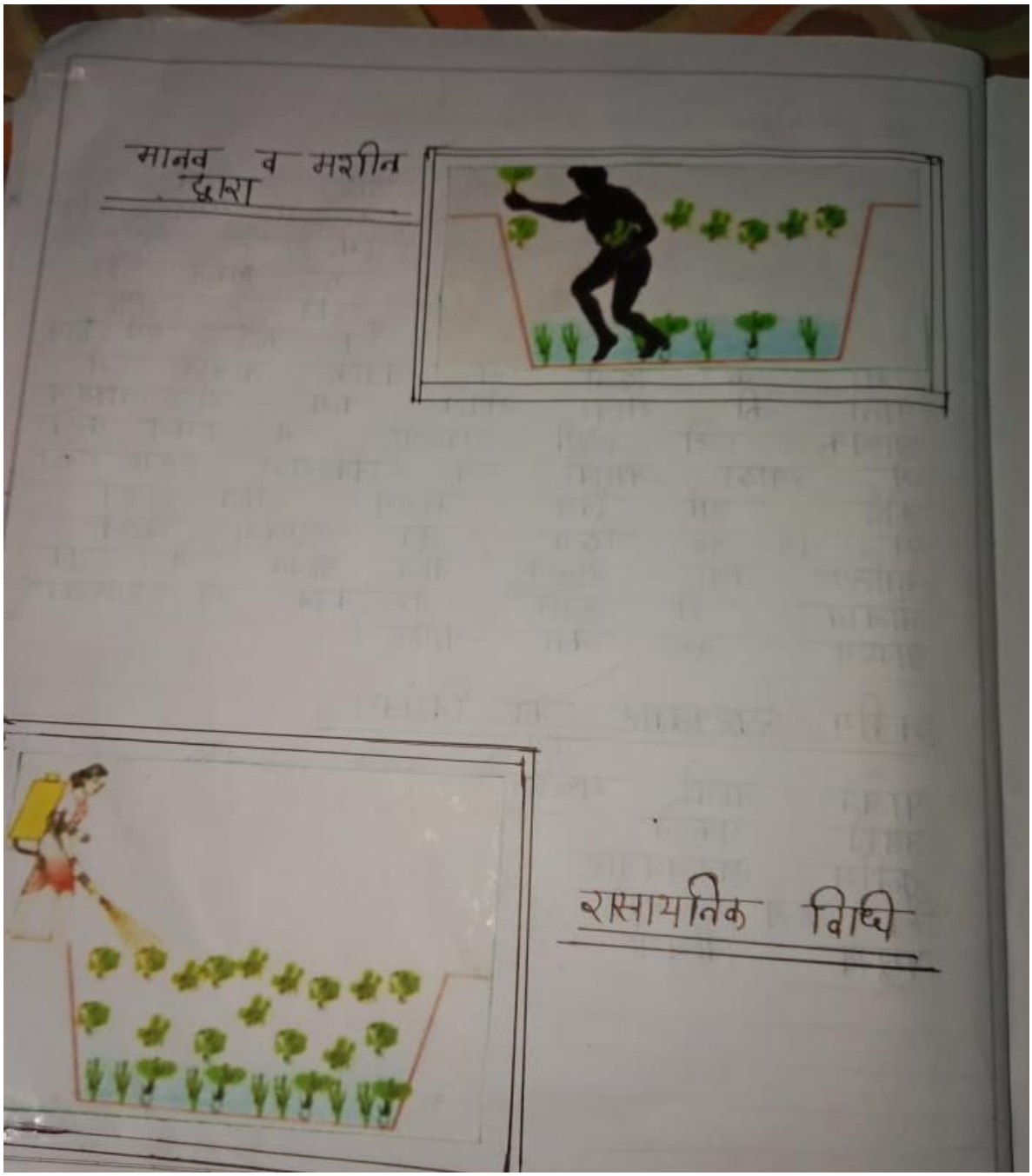

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

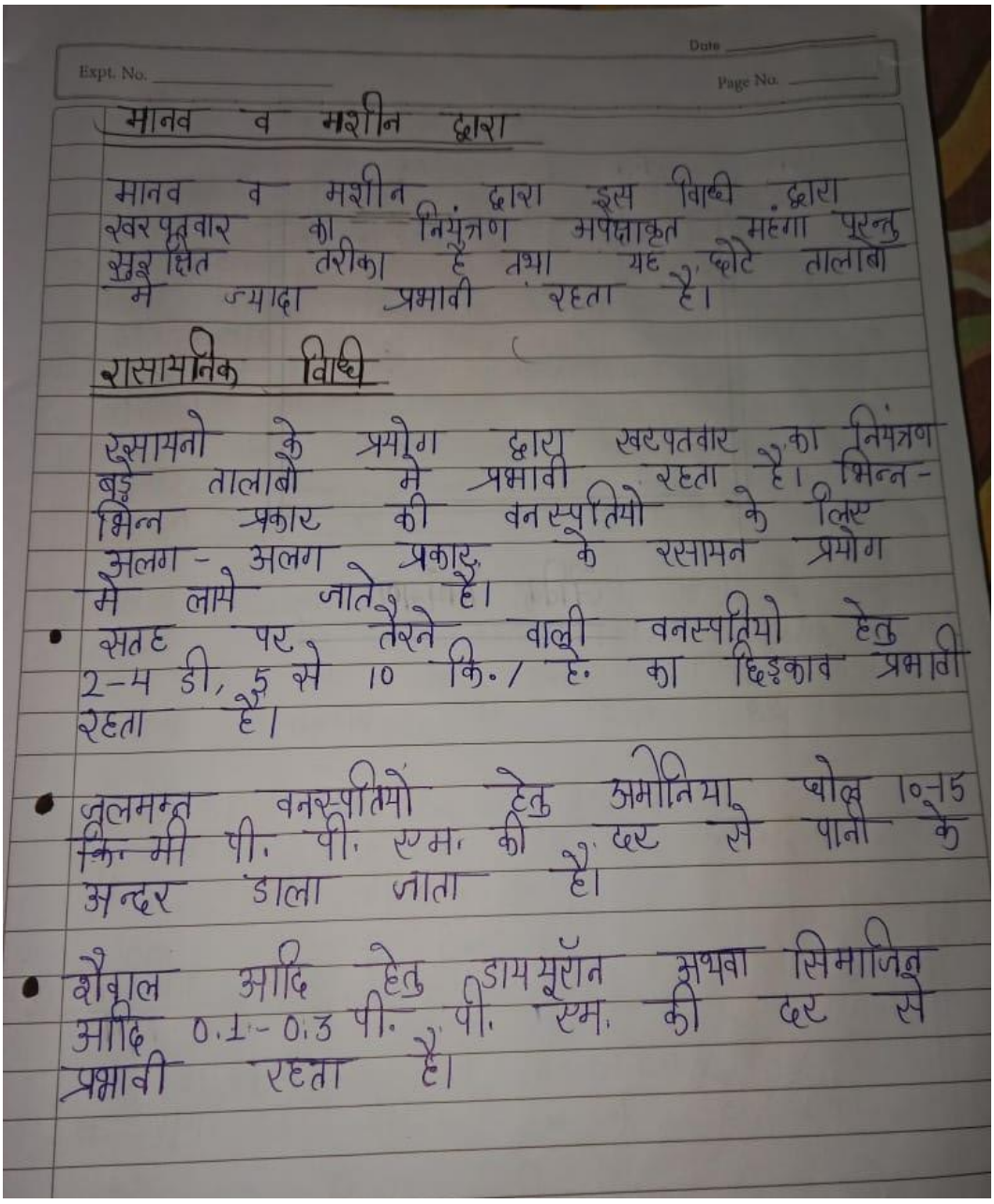

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

मानव व मशीन द्वारा

मानव व मशीन द्वारा इस विधि द्वारा खरपतवार का नियंत्रण अपेक्षाकृत महंगा परन्तु सुरक्षित तरीका है तथा यह छोटे तालाबों मे ज्यादा प्रभावी रहता है।

रासायनिक विधि

रसायनो के प्रयोग द्वारा खरपतवार का नियंत्रण बड़े तालाबो मे प्रभावी रहता है। भिन्न-भिन्न प्रकार की वनस्पतियो के लिए अलग-अलग प्रकार के रसायन प्रयोग मे लाये जाते है।

- सतह पर तैरने वाली वनस्पतियो हेतु 2-4 डी, 5 से 10 कि./हे. का छिड़काव प्रभावी रहता है।
- जलमग्न वनस्पतियों हेतु अमोनिया घोल 10-15 कि.मी. पी.पी.एम. की दर से पानी के अन्दर डाला जाता है।
- शैवाल आदि हेतु डायसूरॉन अथवा सिमाजिन आदि 0.1-0.3 पी.पी.एम. की दर से प्रभावी रहता है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

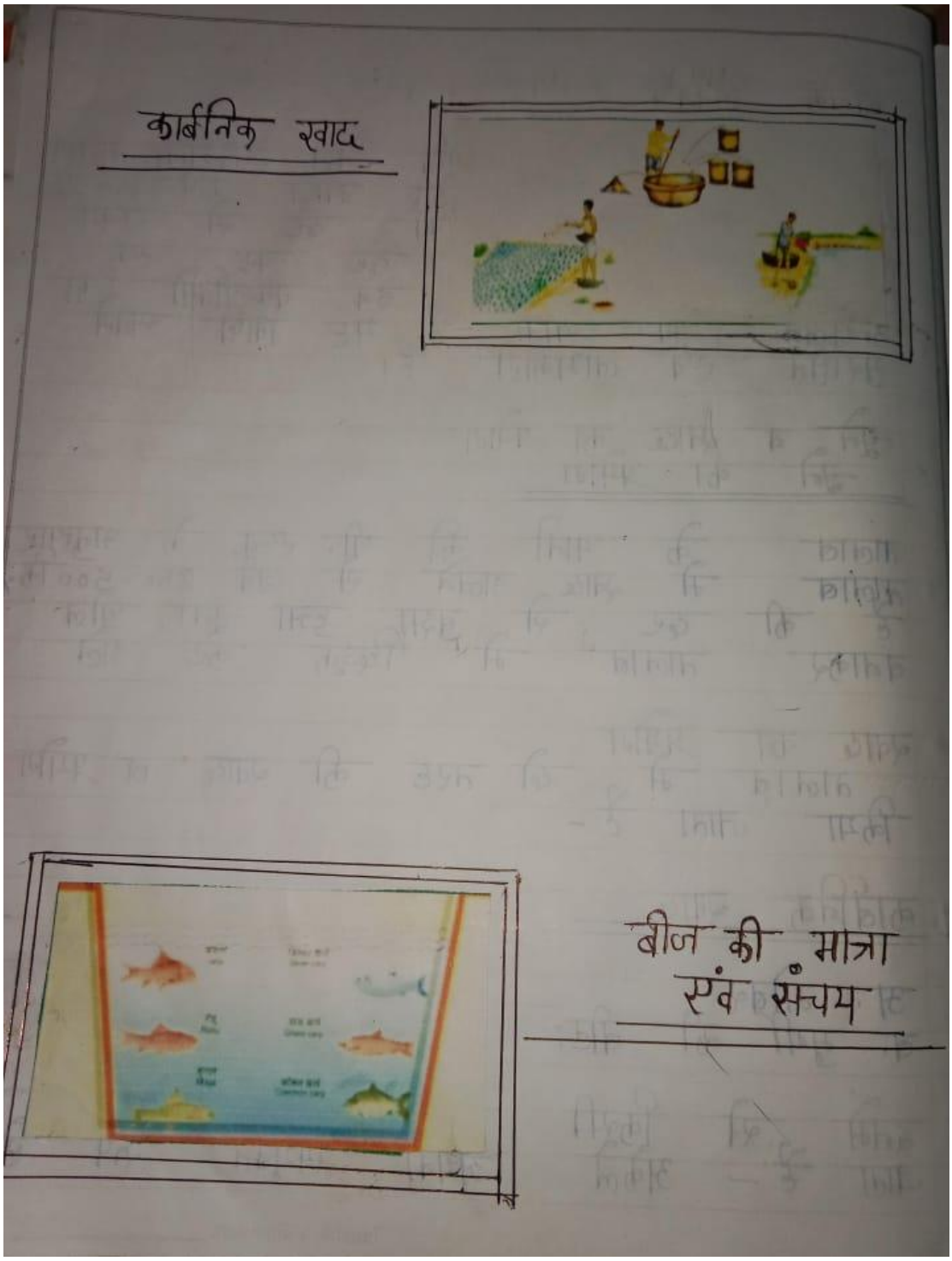

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

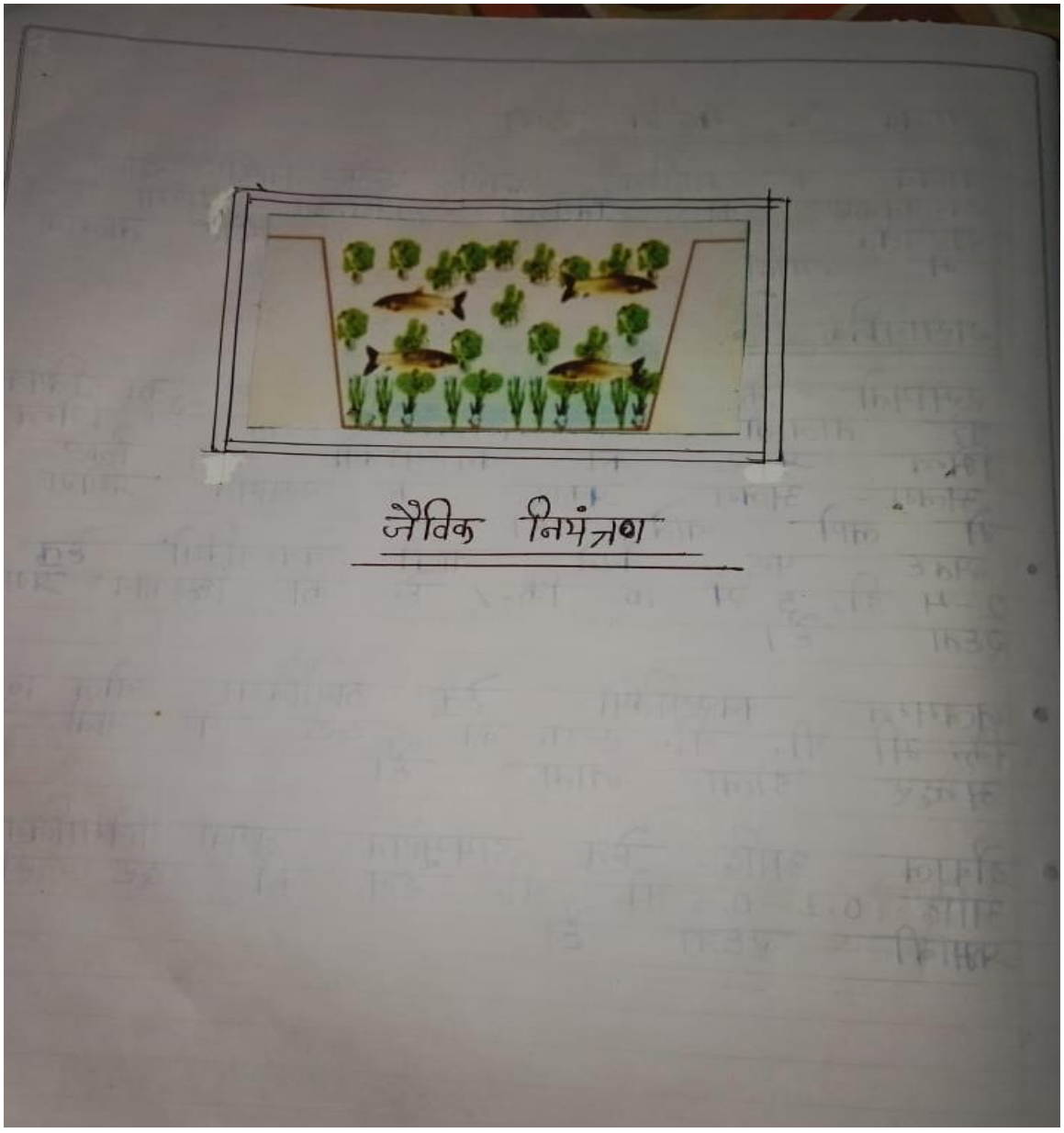

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)